स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

एम.ए. (हिंदी व्यावसायिक लेखन)
पाठ्यक्रम कोड : एम.ए.एच.वी.

कार्यक्रम दर्शिका

इग्नू
जन-जन का
विश्वविद्यालय

मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, नई दिल्ली

एम.ए. (हिंदी व्यावसायिक लेखन) (एम.ए.एच.वी.)

1. प्रस्तावना

इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को भाषा और साहित्य में व्यावसायिक दक्षता देने एवं विशेषज्ञतापूर्ण ज्ञान प्राप्त करना है जिससे वे भाषा और साहित्य में स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बन सकें।

2. प्रवेश के लिए योग्यता

मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से स्नातक उपाधि/समकक्ष एवं उच्चतर उपाधि।

3. कार्यक्रम अवधि

न्यूनतम 2 वर्ष और अधिकतम 4 वर्ष।

4. शुल्क विवरण

14,000/— रु. पूरे कार्यकम के लिए।

5. **शिक्षण माध्यम : हिंदी**

6. क्रेडिट पद्धति

एम.ए. (हिंदी व्यावसायिक लेखन) कार्यक्रम में अध्ययन हेतु क्रेडिट पद्धति अपनाई गई है। 2 वर्ष के इस कार्यक्रम के लिए 72 क्रेडिट का पाठ्यक्रम निर्धारित किया गया है। विद्यार्थी अपने अध्ययन में प्रत्येक वर्ष में 36 क्रेडिट अर्जित कर सकता है।

7. कार्यक्रम संरचना

पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम शीर्षक	क्रे डट
प्रथम वर्ष		
एम.एच.डी..-01	हिंदी काव्य-1 (आदिकाव्य, भक्ति एवं रीतिकाव्य)	4
एम.एच.डी..-02	आधुनिक हिंदी काव्य	8
एम.एच.डी.-03	उपन्यास एवं कहानी	8
एम.एच.डी.-04	नाटक और अन्य गद्य वधाएँ	8
एम.एच.डी.-06	हिंदी भाषा और साहित्य का इतिहास	8
द् वतीय वर्ष		
एम.एच.वी.-007	(i) जनसंचार का सामान्य अध्ययन (ii) समाचार पत्र और फीचर लेखन	8
एम.एच.वी.-008	रे डयो माध्यम (भाग 1) रे डयो माध्यम (भाग 2)	8
एम.एच.वी.-009	टेली वजन लेखन (भाग 1) टेली वजन लेखन (भाग 2	8
एम.एच.वी.-010	सनेमा लेखन	8
एम.टी.टी.-16	अनुवाद और जनसंचार	4

8. शिक्षण प्रविधि

एम.ए. (हिंदी व्यावसायिक लेखन) की शिक्षण प्रणाली छात्रोन्मुखी दूर शिक्षा पद्धति पर आधारित है। इस कार्यक्रम में शिक्षण हेतु निम्नलिखित माध्यमों का प्रयोग किया जाएगा :

- **मुद्रित सामग्री**

  एम.ए. (हिंदी व्यावसायिक लेखन) कार्यक्रम की मुख्य पाठ्य सामग्री आपको मुद्रित रूप में भेजी जाएगी, साथ ही पाठ्यक्रम सामग्री ऑनलाइन रूप में ई–ज्ञानकोश की वेबसाइट के माध्यम से उपलब्ध कराई जाएगी। निर्धारित पाठ्यक्रमानुसार विषय के प्रतिष्ठित विद्वानों द्वारा लिखे गए पाठों को विभिन्न पुस्तकों के रूप में मुद्रित कर स्व–अध्ययन सामग्री के रूप में उपलब्ध कराया जाएगा। प्रत्येक इकाई की रूपरेखा इस तरह से तैयार की गई है कि वह आपके अध्ययन में सहायक सिद्ध हो। इन इकाइयों में क्रम से उद्देश्य, प्रस्तावना, मुख्य भाग, सारांश और अंत में अभ्यास प्रश्न दिए गए है। इकाई का एकाग्रतापूर्वक अध्ययन कीजिए और मुद्रित पृष्ठों की खाली जगहों का नोट्स लेने के लिए आवश्यकतानुसार उपयोग कीजिए। विषय से संबंधित सभी बिन्दुओं को सरल रूप में इकाई में समझाया गया है जिससे आपको किसी तरह की कोई कठिनाई न हो। फिर भी यदि किसी बिन्दु पर आपको कोई कठिनाई हो तो आप स्पष्टीकरण के लिए अपने अध्ययन केन्द्र के परामर्श सत्रों का उपयोग कर सकते हैं।

- **ऑडियो/वीडियो कार्यक्रम**

  अनुपूरक अध्ययन सामग्री के रूप में विश्वविद्यालय ऑडियो और वीडियो कार्यक्रमों का निर्माण करता है, जो अध्यसन केन्द्रों के परामर्श सत्रों, ज्ञान दर्शन, ज्ञान वाणी चैनल और ई–ज्ञानकोश पर उपलब्ध है। इनका उपयोग आपके अध्ययन के क्षितिज को विस्तृत करेगा।

- **परामर्श सत्र**

  विश्वविद्यालय के अध्ययन केन्द्रों द्वारा आयोजित किए जाने वाले परामर्श सत्र विद्यार्थियों के मार्गदर्शन और समस्याओं के समाधान के लिए अत्यंत उपयोगी है। इसके अतिरिक्त विश्वविद्यालय के मुख्यालय, नई दिल्ली स्थित संचार केन्द्र (ई.एम.पी.सी.) द्वारा टेलीकॉन्फ्रेंसिंग, एडुसेट, ज्ञान दर्शन और रेडियो चैनल ज्ञान वाणी के माध्यम से भी परामर्श सत्र आयोजित किए जाएंगे, जहाँ आप टेलीफोन/ईमेल द्वारा उपस्थित अध्यापक/विशेषज्ञ से संवाद कर सकते हैं और अपने प्रश्न पूछ सकते हैं।

9. परीक्षा योजना

विद्यार्थियों का मूल्यांकन दो प्रकार से किया जाता है :

- **सत्रीय कार्य के द्वारा सतत मूल्यांकन**

  इग्नू द्वारा अपने शिक्षण कार्यक्रमों के लिए सतत मूल्यांकन पद्धति को अपनाया गया है। प्रत्येंक शिक्षण सत्र में निर्धारित सत्रीय कार्य और सत्रांत परीक्षा के माध्यम से सतत मूल्यांकन किया जाता है। सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षाओं के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए है। सत्रीय कार्य में आप जो अंक प्राप्त करेंगे उसे आपके परीक्षाफल के अंकों में जोड़ दिया जाएगा। यह सत्रीय कार्य निर्धारित समय पर इग्नू की वेबसाइट पर उपलब्ध करा दिया जाएगा, जहां से प्राप्त करके दिए गए प्रारूप में उसे तैयार कर अपने अध्ययन केंद्रों पर जमा कर सकते हैं।

- **सत्रांत परीक्षा**

सत्रांत परीक्ष मूल्यांकन पद्धति का अभिन्न अंग है। सत्रीय कार्य के लिए 30 प्रतिशत और सत्रांत परीक्षाओं के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित किए गए है। सत्रांत परीक्षा में बैठने के लिए विद्यार्थियों को पहले अपने सत्रीय कार्य जमा करना अनिवार्य है।

कार्यक्रम संयोजक :

प्रो. नरेन्द्र मिश्र
हिंदी संकाय
मानविकी विद्यापीठ
इग्नू, नई दिल्ली
ईमेलः npmishra@ignou.ac.in

डॉ. रीता सिन्हा
हिंदी संकाय
मानविकी विद्यापीठ
इग्नू, नई दिल्ली
ईमेलः reetasinha@ignou.ac.in

प्रवेश हेतु और अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें :

www.ignou.ac.in

दूरभाष : 011—29572783, 29572764